

To
The Board of Studies,
S.D.Mahila Mahavidyalya,
Narwana.

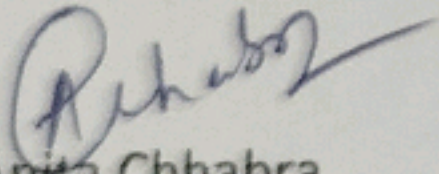
Sub: Approval for "सृजनात्मक लेखन :- कहानी एवं लघुकथा के विशेष सन्दर्भ में "
Certificate course..

Respected Madam,

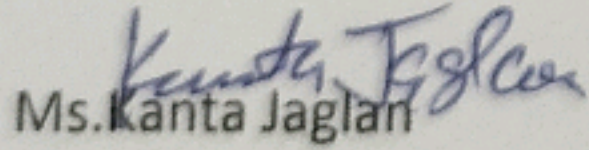
We want to start a certified offline course "सृजनात्मक लेखन :- कहानी एवं लघुकथा के विशेष सन्दर्भ में "(30 Hours) in our campus. A Certificate is an education goal for many students who want to improve their visibility among aggressive job applications. Certificates may help to provide students with increased skills and experience. Syllabus of "सृजनात्मक लेखन :- कहानी एवं लघुकथा के विशेष सन्दर्भ में "is attached with this application. Please kindly approve this certified course. We shall be thankful to you for this.

Enclosed: Syllabus of the Certificate Course.

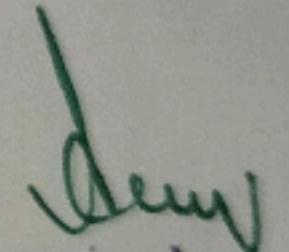
Yours Faithfully



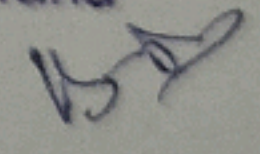
Dr. Anita Chhabra
Asstt. Prof. of Hindi.



Ms. Kanta Jaglan
Asstt. Prof. of Hindi



Principal
S.D. Mahila Mahavidyalya
Narwana



Ms. Anita Chhabra
Asst. Prof. of Hindi

Ms. Kanta Jaglan
Asst. Prof. of Hindi

Subject: Approval for "सृजनात्मक लेखन :- कहानी एवं लघुकथा के विशेष सन्दर्भ में" by the Board of Studies

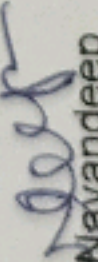
Dear Ms Anita Chhabra & Kanta Jaglan,

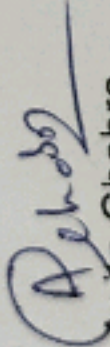
I am pleased to inform you that after careful consideration and review by the Board of Studies, has approved "सृजनात्मक लेखन :- कहानी एवं लघुकथा के विशेष सन्दर्भ में" which spans over 30+ hours of instruction.

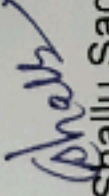
This course has been evaluated thoroughly to ensure its alignment with our institution's academic standards and objectives. We believe that it will significantly contribute to the academic enrichment of our students and align with our commitment to providing high-quality education.

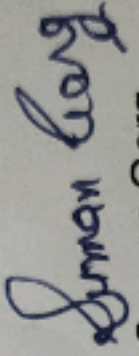
Thank you for your interest and support in our academic endeavors.

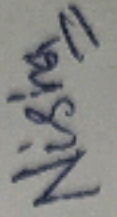
Yours sincerely,

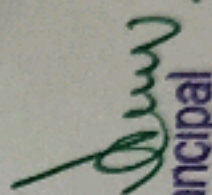

Dr. Nayandeep
Assoc. Prof. in Eco.
Convener


Dr. Anita Chhabra
Asst. Prof. in Hindi
Member


Dr. Shallu Sachdeva
Asst. Prof. in Hist.
Member


Suman Garg
Asst. Prof. in Eng.
Member


Nisha
Asst. Prof. in Physics
Member


Principal
S.D. Mahila Mahavidyalaya
Narwana



सनातन धर्म महिला महाविद्यालय
नरवाना (जींद)

के
हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित
सर्टिफिकेट कोर्स

सृजनात्मक लेखन-कहानी एवं
लघुकथा के विशेष संदर्भ में

प्रमाणपत्र: कोर्स समापन पर सफलतापूर्वक प्राप्त प्रतिभागियों को
प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

दिनांक - 06-10-2022
कोर्स की अवधि - 30 घण्टे

डॉ अनीता छाबड़ा
संयोजिका

सुश्री कांता जागलान
सह -संयोजिका

डॉ अंजना लोहान
प्राचार्या



S.D. Mahila Mahavidyalya

Narwana - 126116 (Jind) Haryana

Accredited by NAAC with Grade 'B'

Affiliated to Ch. Ranbir Singh University, Jind

Sr. No.

Dated... 01/10/2022

B. A I की छात्राओं को सूचित किया जाता है कि हिन्दी विभाग द्वारा 30 घंटे का एक साहित्यिक कौशल कक्षा का प्रारंभ प्रसंग विषय "सुजनात्मक लेखन कक्षा एवं अद्य कथा के विशेष संदर्भ में रहेगा"। यह कौशल दिनांक 6.10.2022 से 19.11.2022 तक रहेगा। इच्छुक छात्रों अपने नाम कोता आगवान में के पास लिखवाएं।

(Signature)

(Signature)

Principal
S.D. Mahila Mahavidyalye
Narwana

(Signature)

सृजनात्मक लेखन कहानी एवं लघुकथा के विशेष संदर्भ में

उद्देश्य:-

छात्रों की रचनाशील को बढ़ाना
आंतरिक विचारों को लेखन के माध्यम से अभिव्यक्त करना
रोजगार के संदर्भ में सृजनात्मक लेखन को बढ़ावा देना
अभिव्यक्ति कौशल में अभिवृद्धि करना
पाठ्यक्रम

परीक्षा पद्धति:-

प्रश्न पत्र कल 50 अंक का रहेगा। 30 अंक के प्रश्न पाठ्यक्रम से आएंगे। जिसमें पांच-पांच अंक के कुल चार प्रश्न व 10 अंक के वस्तुनिष्ठ प्रश्न रहेंगे। 20 अंक का प्रायोगिक कार्य रहेगा जिसमें छात्रों को एक मौलिक कहानी अथवा लघु कथा लिखकर दिखानी होगी।

1. सृजनात्मक साहित्य का अर्थ एवं स्वरूप
2. सृजनात्मक साहित्य का महत्व
3. कहानी का अर्थ एवं स्वरूप
4. कहानी की परिभाषा
5. कहानी के प्रकार
6. कहानी के तत्व
7. लघुकथा का अर्थ एवं स्वरूप
8. लघुकथा की परिभाषा
9. लघुकथा के तत्व
10. लघुकथा के शीर्षक की महता
11. लघुकथा: गागर में सागर
12. लघु कथा का अन्य विधाओं से अंतर

Participant Attendance Sheet :-.....B.A......

from6.10.22 To 11.12.22.....

Session.....2022 To 2023.....

Total Signatures

| Sr.No. | Name | Roll No. | 6/10 | 7 | 9 | 10 | 11 | 12 | 14 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 27 | 28 | 31 | 34 | 7 | 9 | 10 | 11 | 12 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | | |
|--------|------------|---------------|------|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|--|--|
| 1 | Komal | 1221913002078 | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 2 | Anjana | 1221913002080 | P | P | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | P | P | P | | | |
| 3 | Nagita | 1221913002081 | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | A | P | A | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 4 | Jyoti | 1221913002086 | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 5 | Muskan | 1221913002090 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 6 | Kamna | 1221913002091 | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 7 | Manju Devi | 1221913002092 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 8 | Nancy | 1221913002093 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 9 | Tamanna | 1221913002095 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 10 | Muskan | 1221913002097 | P | P | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 11 | Kasiti | 1221913002098 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 12 | Manisha | 1221913002106 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 13 | Manju | 1221913002110 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 14 | Chandna | 1221913002116 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 15 | Rasmi Kaur | 1221913002119 | P | P | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 16 | Neha | 1221913002122 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 17 | Anjali | 1221913002123 | P | P | P | P | P | P | P | P | A | P | A | P | A | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 18 | Jyoti | 1221913002130 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 19 | Anu | 1221913002133 | A | A | P | P | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 20 | Ramya Kaur | 1221913002139 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 21 | Sakshi | 1221913002141 | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 22 | Manu | 1221913002145 | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 23 | Manisha | 1221913002146 | P | P | P | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 24 | Muskan | 1221913002149 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 25 | Sarabpreet | 1221913002150 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 26 | Sonu | 1221913002152 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 27 | Soniya | 1221913002153 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 28 | Piniki | 1221913002154 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 29 | Angushi | 1221913002157 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 30 | Anju | 1221913002158 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 31 | Manju | 1221913002160 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 32 | Pooja | 1221913002161 | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |
| 33 | Bhawana | 1221913002163 | P | P | A | P | A | P | P | P | P | A | P | P | P | P | P | P | P | P | P | P | A | A | P | A | P | P | | | |

1. सृजनात्मक साहित्य का अर्थ एवं स्वरूप बताएं।
2. सृजनात्मक साहित्य का क्या महत्व है स्पष्ट करें।
3. हिंदी कहानी का अर्थ एवं परिभाषा बताएं।
4. लघु कथा का अर्थ एवं स्वरूप बताएं।

5 अति लघु उतरात्मक प्रश्न

1 X 10 = 10

- क. सृजनात्मक साहित्य में किसकी प्रधानता होती है ?
- ख. सृजनात्मक लेखन के दो विशेषताएं बताएं।
- ग. सृजनात्मक लेखन के कितने तत्व माने गए हैं ?
- घ. सृजनात्मक लेखन को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ?
- च. सृजनात्मक लेखन की कौन-कौन सी विधाएं हैं ?
- छ. हिंदी की पहली कहानी कौन सी हैं ?
- ज. किन्हीं दो सामाजिक कहानियों के नाम लिखें।
- झ. लघु कथा लगभग कितने शब्दों में होनी चाहिए ?
- ट. लघु कथा की दो विशेषताएं बताएं।
- ठ. हिंदी की पहली लघु कथा का नाम लिखें।

प्रायोगिक कार्य

6. हिंदी में किसी सामाजिक मुद्दे पर कहानी लिखें।
7. हिंदी भाषा में किसी भी विषय पर एक लघु कथा लिखें।

10 X 2 = 20

S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA, NARWANA

37

Roll No. 78 Class B.A Sec. Subject Hindi

Date Signature Kanwal

प्रश्न (5.2)
उत्तर (का.)

उ३- अनुभूमि

(ख.)

उ३- (क.) सृजननात्मक चिन्तन में औसत व औसत से उच्च बुद्धिबलिय पायी जाती है।
(ख.) सृजननात्मक विचारक में अति व्यक्ति की लगन होती है।

(ग.)

उ३- चार

(घ.)

उ३- क्रिस्टीन रोड टिंग।

(च.)

उ३- कहानी, कविता, उपन्यास, नाटक, निबंध, पत्र लेखन, डायरी, लेखन आदि।

(छ.)

उ३- शशी कंतकी की कहानी।

(ज.)

उ३- अंगन, चोरी।

(झ.)

उ३- 100-120 शब्दों में।

(ट.)

उ३- सजिलता, सूक्ष्मता और सांकेतिकता।

10

कहानी कहानी ।

सृजनात्मक लेखन का उद्देश्य सृजित करना मात्र नहीं है, अपितु रहस्योद्घाटन और रसों को उकहित करना है। सृजनात्मक लेखन की लक्ष्य कभी तरल रूप में नहीं रहता, बल्कि विचार, पलायन, पत्राचार, कविता, पद्य, कहानी, उपन्यास, नाटक, फिल्म, टेलीविजन, अखबार आदि अनेक विधियों में अभिव्यक्त होता है। सृजनात्मक लेखन के माध्यम से सृजनात्मक लेखक अपने विचार, प्रयत्न और साधन के माध्यम से सृजन करता है। सृजनात्मक लेखन के माध्यम से सृजनात्मक लेखक अपने विचार, प्रयत्न और साधन के माध्यम से सृजन करता है। सृजनात्मक लेखन के माध्यम से सृजनात्मक लेखक अपने विचार, प्रयत्न और साधन के माध्यम से सृजन करता है।

स्वरूप :-

सृजनात्मक लेखन के स्वरूप को सृजनात्मक लेखकों द्वारा व्यक्तिगत रूप से व्यक्त किया जाता है। सृजनात्मक लेखकों द्वारा व्यक्त की गई बातें, भावनाएँ, विचार आदि सृजनात्मक लेखकों द्वारा व्यक्त की जाती हैं। सृजनात्मक लेखकों द्वारा व्यक्त की गई बातें, भावनाएँ, विचार आदि सृजनात्मक लेखकों द्वारा व्यक्त की जाती हैं। सृजनात्मक लेखकों द्वारा व्यक्त की गई बातें, भावनाएँ, विचार आदि सृजनात्मक लेखकों द्वारा व्यक्त की जाती हैं।

आत्मा विगवास, दारु, जैनी अनेक विगतार विधान

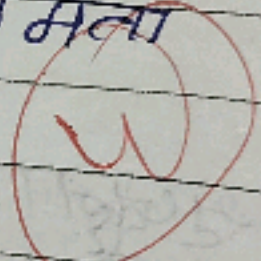
4) सौंदर्य में सृजनात्मक साहित्य के आकार पर अनुवाद के आदि कई वर्षों की अनुसृजन, पुनर्लेखन, गवनेका जाना कि सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद 5.3 एक एजने जटिल कार्य है तथा उसमें अनुवाद को कवच एजने साहित्यिक अनुवाद अथवा भावानुवाद तक सीमित करके नहीं देखा जा सकता।

प्रश्न 2
उत्तर

1) सृजनात्मक साहित्य में अनुभूति की प्रधानता होती है। अनुभूति का स्वरूप अमूर्त होता है। आँट साथ ही तरह की। जिस प्रकार सूक्ष्म तरल पदार्थ की स्थानांतरित करना स्वयं में कठिन कार्य है। वही स्थिति अनुभूति के संप्रेषण को भी है। 2) सृजनात्मक साहित्य में माध्यम में आनंदोपलब्धि होती है। अनुभूति है, इंद्रीय सुख मिलता है।

महत्व : मानवीय जीवन को सुखमय बनाने के लिए नवीन आविष्कार करने तथा समस्याओं को समाधान खोजने

के अर्थ में सृजनात्मकता अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका
 अर्थात् करती है। जैसा की आपने सृजनात्मकता
 कर में सब कुछ विस्तार में पढ़ा इस
 हम समझ सकते हैं, की सृजनात्मकता
 तथा नवीनता के अर्थ में गुणों के विकास की
 महत्वपूर्ण है। और इससे चिंतन की प्रबल शक्ति
 एवं विकास की होती है। फलतः जटिल से जटिल
 का रूप संभव हो पाता है।
 इसके अलावा सृजनात्मकता में शैक्षणिकता
 गम्भीरता के लक्षण विद्यमान रहते हैं और
 यह उत्साहपूर्वक कार्य करने की है इस लिए
 में होती है।



प्रश्न 3.1
 उत्तर :- वास्तव में गद्य साहित्य की
 विकास है। गल्प अथवा लघु कथा, आदि सबसे लोकप्रिय
 पर्यायवाची शब्द हिन्दी में प्रचलित हैं। इसके अनेक
 कि के अनुसार कहानी एक निश्चित प्रकार का वर्णनात्मक गद्य
 है। जिसके पत्रों में आर्थिक प्रकार का वर्णनात्मक गद्य
 का समय वर्णनात्मक है। आर्थिक प्रकार का वर्णनात्मक गद्य
 कहते हैं। प्रेमचंद ने जो कहानी लिखी वह
 - 3 के कृत कहानी के लिए एक
 नामना है जिसमें और बेल सजे उधान वही परिभाषा
 है।

- 1) कथा
- 2) पद्य
- 3) गद्य
- 4) उपन्यास
- 5) कथा
- 6) उपन्यास

प्रश्न 4 उत्तर

रूप में दृष्टिगोचर होता है।

किया है - सारे दृश्यों को केवल कदमों की इस प्रकार परिभाषित
आरेखों की वास्तविकता को केवल कुछ अल्पकालिक व्यंजन किन्हीं
संकेतों से जानने के लिए चित्र गति के माध्यम से
विषय कहानी है। मैं पर्यायवाची होने वाले गये
कहानी के मुख्य तत्व हैं।

- 1) कथानक
- 2) पात्र और चरित्र चित्रण
- 3) कथोपकथन
- 4) वातावरण
- 5) भाषा और शैली
- 6) उद्देश्य।

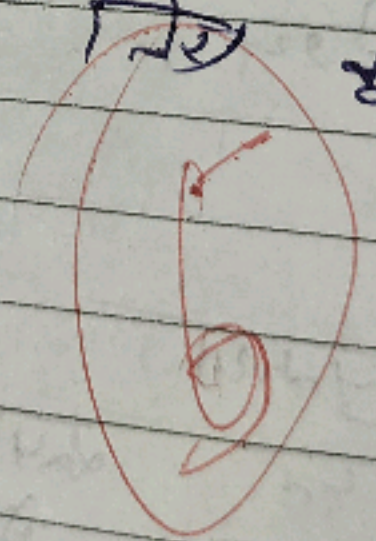
प्रश्न 4।

उत्तर :- लघुकथा एक छोटी कहानी नहीं है। इस कहानी को
संक्षिप्त रूप भी नहीं है। यह विषय अपने लक्ष्यों
रूप में किसी भी एक विषय, एक घटना या एक
क्षण पर आधारित होती है। आधुनिक लघुकथा अपने
पाठकों में चेतना जागृत करती है।

इस सब लघुकथा की तात्कालिक स्थिति पर विचार कर
रहे थे। आजीरथ उस दौर के व्यक्ति एक संकेत

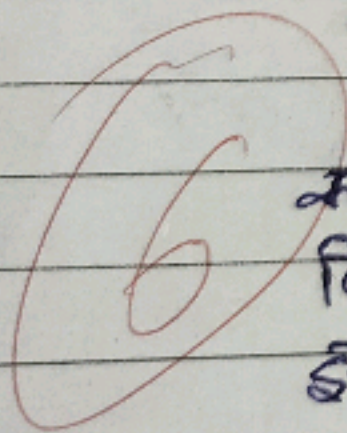
लघु कथा - लेखकों की प्रतिकार सूची तैयार कर रहे हैं और अर्थात् आदिया उन्हें इस कार्य में सहयोग देना वहीं उपस्थित है, कोई कृष्णा नंद कृष्ण जोबरट हमारी जातकारी में महत्वपूर्ण इलाका कर वहीं उनके द्वारा उपलब्ध कराई जा रही जातकारी की शकता था कि वे लघु कथा के प्रति काफी गंभीर और लघु कथा - जंगल में ही रही गतिविधियों का बहुत ध्यान दे अधिकार कर रहे हैं। लघु कथा के उनके प्रति उनकी जो वित्त का ध्यान है यह पुस्तक लघु कथा जात को उल्लेख करता है। जहाँ एक मेरी जातकारी है। लघु कथा के क्षेत्र में जहाँ के डॉ. अनुप सिंह के बाद कृष्णा नंद कृष्ण जातका अंगिका अंगर प्रकाशित हुआ है। इस दृष्टि से पुस्तक को इतिहासिक महत्व है। जिसके लिए कृष्णा नंद कृष्ण का ध्यान है।

(क) हिन्दी लघु कथा का प्रथम किताब
 (ख) लघु कथा की पहला
 (ग) हिन्दी लघु कथा का वर्णकाल -



प्रश्न 7.3
उत्तर

नव्य कथा में बच्चों का मन हर पल कई-कई दिनों को जानने और सीखने के लिए उत्सुक रहता है। यही कई दिनों के लिए उनका अलग-अलग तरीके से सीखा जा रहा है। यही कथाओं की आपकी मदद करती है। ये कथाओं के माध्यम से बच्चों को कंपन करती है। युवमुरत के माध्यम से जीवन को बदलने का साधन है। इसके अलावा - 2 में जीवन को बदलने का साधन बताया है। यह छोटी सी कथा बच्चों के मन को कंपना भी है। और अंत में बच्चों को सीख उन्हें बचपन में ही अच्छे-बुरी चीजों में फर्क करना सिखाती है। यही बजाए है कि इन कथाओं में इस संकलन में बच्चों के नव्य कथाओं के अलावा और भी कानी कानी बच्चों के अपने तरह की चीजें का काम करती है। नव्य कथाओं का न सिर्फ मजा है, बल्कि वे कथाएं शिक्षा प्रद भी हैं। नव्य कथाओं न सिर्फ छोटे बच्चों को खुश करती हैं बल्कि बड़े भी उनके बचपन की याद दिलाती हैं। यही बजाए है कि इन कथाओं को इस संकलन में बच्चों के लिए नव्य कथाओं के लेकर आई है। इतना ही नहीं बल्कि इन कथाओं को ही है। इन कथाओं को बजा कर माँ का प्य मिलता है।



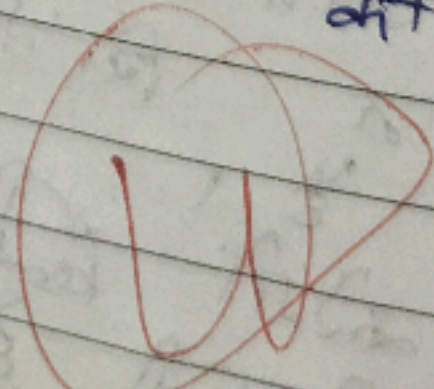
प्रश्न 6.

आती है बड़े शहरों में दाइयाँ और नये
 रीति-रिवाजों की तरह प्रमोशन के लिए पढ़ाई
 इसमें है और एक महिला का पढ़ाई
 नाम अपने मुश्किलता की कोई उम्मीद नहीं।
 जानने की मुश्किलता की उम्मीद नहीं।
 यही है कि नर्स राजी क्या करते।
 मैं बच्चा के लिए हम कहानियाँ सुने।
 जरूरत करते बच्चों को लड़के के बचपन
 को उन्हें गहरी नींद में को गहरी नींद में
 बच्ची करती है। विलेक सुलगा ही।
 कहानियाँ करती हैं। विलेक सुलगा ही।
 बचपन का सिको विलेक सुलगा ही।
 करती है। विलेक सुलगा ही।
 विलेक सुलगा ही।

Result of Certificate

Session ... 2022

| SrNo. | Student Name | Coll |
|-------|--------------|------|
| 1 | Komal | |
| 2 | Anjana | |
| 3 | Nagita | |
| 4 | Jyoti | |
| 5 | Mukha | |
| 6 | Kamha | |
| 7 | Maulud | |
| 8 | Nancy | |
| 9 | Tamr | |
| 10 | Musk | |
| 11 | Kirt | |
| 12 | Ma | |
| 13 | N | |
| 14 | | |
| 15 | | |
| 16 | | |
| 17 | | |
| 18 | | |
| 19 | | |
| 20 | | |



Result of Certificate Course

Session 2022-23

M.M 50

| SrNo. | Student Name | College Roll No. | Marks |
|---------|--------------|------------------|-------|
| 1 | Komal | | |
| 2 | Anjana | 1221913002078 | 37 |
| 3 | megita | | 40 |
| 4 | Jyoti | | 45 |
| 5 | Muskan | 86 | 40 |
| 6 | Kamna | | 40 |
| 7 | Maulu Devi | | 35 |
| 8 | Nancy | | 36 |
| 9 | Tammara | " | 45 |
| 10 | Muskan | | 42 |
| 11 | Kirti | | 38 |
| 12 | Manisha | | 40 |
| 13 | Manju | | 25 |
| 14 | Chandna | | 38 |
| 15 | Pastik Kaur | | 39 |
| 16 | Neha | | 40 |
| 17 | Anjali | | 40 |
| 18 | Jyoti | | 42 |
| 19 | Anu | | 42 |
| 20 | Ramankaur | | 36 |
| 21 | Sakshi | | 36 |
| 22 | Manu | | 40 |
| 23 | Manisha | | 40 |
| 24 | Muskan | | 40 |
| 25 | Sarabjeet | 150 | 39 |
| 26 | Sonu | | 38 |
| 27 | Soniya | | 40 |
| 28 | Pinku | | 40 |
| 29 | Angurli | 157 | 34 |
| 30 | Anju | | 38 |
| Present | | | |
| Absent | | | |
| Total | | | |



S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA

NARWANA (JIND)

(AFFILIATED TO CH. RANBIR SINGH UNIVERSITY, JIND)



प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा NAGITA रोल नं 1221913002081 ने हिंदी विभाग द्वारा 'सृजनात्मक लेखन : कहानी एवं लघु कथा के विशेष संदर्भ में' विषय में 30 घंटे की अवधि का 'सर्टिफिकेट कोर्स' उत्तीर्ण किया है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

डॉ अनीता रानी
संयोजिका

सुश्री कांता जागलान
सहसंयोजिका

डॉ अंजना लोहान
प्राचार्या



S.D. MAHILA MAHAVIDYALYA

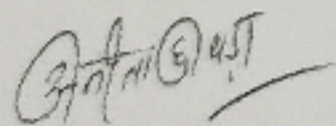
NARWANA (JIND)

(AFFILIATED TO CH. RANBIR SINGH UNIVERSITY, JIND)

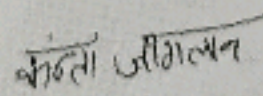


प्रमाण पत्र

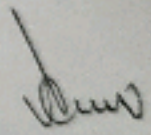
प्रमाणित किया जाता है कि छात्रा JYOTI रोल नं 1221913002086 ने हिंदी विभाग द्वारा 'सृजनात्मक लेखन : कहानी एवं लघु कथा के विशेष संदर्भ में' विषय में 30 घंटे की अवधि का 'सर्टिफिकेट कोर्स' उत्तीर्ण किया है। हम इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।



डॉ अनीता रानी
संयोजिका



सुश्री कांता जागलान
सहसंयोजिका



डॉ अंजना लोहान
प्राचार्या

रिपोर्ट

सनातन धर्म महिला महाविद्यालय में 19/11/22 को
दिल्ली विभाग द्वारा सर्टिफिकेट कोर्स का समापन
करवाया गया। कोर्स का नाम "सनातन धर्म लेखन-
कहानी एवं लघुकथा के विशेष संदर्भ में" था।

इस कोर्स का आरम्भ 06/10/22 को करवाया गया।
इस कोर्स की अवधि 30 घंटे की है। दिल्ली विभाग
की प्रवक्ता डॉ० अनीता दाबडा व कला प्रागलान
ने विद्यार्थियों को कहानी एवं लघुकथा के बारे
में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर
प्राध्यापिका डॉ० अंजना लोथन ने भी छात्राओं
का मार्गदर्शन किया। कोर्स के समापन पर
छात्राओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए।